ISSN : 2454-4655 VOLUME - 7 No. : 5, June - 2021

Internationa... of Social Scien... agemen...

Peer Reviewed & Refereed Journal

International Con...
Global Impac... ovid
(Health, Industry, Education, Employ... Agriculture & Other Sector)

Date ... (M.P.), INDIA

I.J.S.S.M.S

Radiant
Group of Institution

Indian Tech

GLOBAL

International
ISRS Scientific Research Solution

International Journal of Social Science & Management Studies

C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

CONTENTS

S. No.	Paper Title	Author Name	Page No.
1	Herbal Plants in the Fight Against Viruses and Bacteria	Dr. Dragan Jovanov	1-2
2	Global Impact of COVID-19 in Education	Corina Sujdea	3-5
3	The Impact of the COVID-19 Pandemic on Children From Rural Areas	Diana Toader	6-7
4	A Study of RBI's Moratorium Scheme 2020 During COVID-19 in Central India	Dr. Hariom J. Puniyani	8-11
5	Global Epidemics : A Historical Survey (Reference to COVID 19)	Dr. Vyas C.P.	12-16
6	A Study on "Motivational Level of Health Workers with Special Reference to Covid Incident at Patna, Bihar"	Dr. Kumud Rakesh Kumar Ravi	17-26
7	Global Impact of Covid	Nutan Sharma	27-30
8	Impact of Covid on Indian Sports Sector	Prof. Rasmiraj Palo	31-35
9	Global Impact of Covid on Rural Education	Nilesh Patil	36-37
10	Role of Electronic Resources in Libraries	Pankaj Bhagat	38-41
11	A Geographical Study of Climate in Omerga and Tuljapur Tahsils	Prof. Satish D. Gavit Prof. Dr. Madan Suryawanshi	42-45
12	राजनांदगांव की गंदी बस्तियों के जनजीवन पर कोविड–19 का प्रभाव	हुतेश्वरी डॉ. अंजना ठाकुर डॉ. प्रमोद यादव	46-51
13	साहित्यिक यज्ञ "वातायन" का अध्ययन	रामरख जाखड़	52-53
14	कोविड का वैश्विक प्रभाव (स्वास्थ्य, उद्योग शिक्षा रोजगार, कृषि तथा अन्य क्षेत्र)	श्रीमती प्रेमलता शाक्यवार	54-58
15	वैश्विक महामारी कोरोना का विश्व समुदाय पर प्रभाव	देवेन्द्रसिंह ठाकुर	59-61

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

International Journal of Social Science & Management Studies - I.J.S.S.M.S.
Peer Reviewed-Refereed Research Journal, Indexing & Impact Factor - 5.2, Ex - UGC S.N. 5351
ISSN : 2454 - 4655, Vol. - 7, No. - 5, June - 2021, Conference Special Issues

2021

राजनांदगांव की गंदी बस्तियों के जनजीवन पर कोविड–19 का प्रभाव

हुतेश्वरी
(शोधार्थी), सेठ आर. सी. कला व वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
डॉ. अंजना ठाकुर
(शोध निर्देशक), विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान शास. दिग्विजय स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)
डॉ. प्रमोद यादव
(सह शोध निर्देशक), विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग सेठ आर. सी. एस. कला व वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शोध सारांश :– "प्रस्तुत शोध पत्र गंदी बस्तियों के जनजीवन पर समाजिक रूप में उत्पन्न महामारी कोविड 19 के प्रभाव से संबंधित है। वर्तमान समय में समस्त विश्व इस महामारी से जूझ रहा है जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में इसका व्यापक व प्रतिकुल प्रभाव पड़ा है। कोविड 19 महामारी का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है। इस महामारी के रोकथाम हेतु शासन द्वारा विभिन्न व्यवस्था कि गई जिसमें समाजिक दूरी व लॉकडाउन प्रमुख रूप से लोगो को कई प्रकार की असुविधा हुई एवं नई समस्याएं सामने आयी। प्रमुख रूप मे गदी बस्तियों में इसका प्रभाव देखा गया चूंकि पूर्व में ही इस क्षेत्र में सुविधाओ का अभाव पाया जाता है। ऐसी स्थिति में यह अभाव चरम पर है। शोध अध्यन से ज्ञात है कि गंदी बसितियों के जनजीवन पर कोविड 19 महामारी का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है जिससे उन लोगो में विभिन्न सामाजिक आर्थिक व अन्य समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है।"

की वर्ड :– गन्दी बस्ती, राजनांदगांव जिला, कोविड 19 का प्रभाव

प्रस्तावना :– वैश्विक महामारी के इस दौर मे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों मे आकस्मिक परिवर्तन आया है चाहे वह नकारात्मक रूप में हो या फिर सकारात्मक रूप में। इस महामारी का नाम कोविड–19 है जिसका कारण कोरोना नामक वायरस है। यह किन कारणों से, कहाँ से उत्पन्न हुआ इसमे विरोधाभास कि स्थिति है फिर भी विभिन्न विद्वानों का मत है कि यह चीन के 'वुहान' नामक नगर के एक वैज्ञानिक लेब से उत्पन्न हुआ है। जिस कारण से भी यह उत्पन्न हुआ हो इसके परिणामस्वरूप वैश्विक अवस्था में मानव–जीवन के समक्ष एक चुनौती आकस्मिक रूप में आया है विभिन्न देशों में इस बीमारी महामारी के बचाव हेतु जो उपाय अपनाए गए उन सब मे एक समानता रही अभी सामाजिक दुरी, लॉकडाउन इस प्रकार व्यवस्था के प्रयोग में सभी देशों में अपनाया गया एक ओर जहाँ यह महामारी के बचाव का उपाय था वही इस व्यवस्था से सामान्य जन के सामने नयी समस्या पैदा हो गयी। भारत जैसे विकासशील जनसंख्या बहुल्य, उच्च समाजिक सास्कृतिक विरासत में परिपूर्ण लोगों के लिए यह अत्यंत चुनौतीपूर्ण समस्या है।

यहाँ कि अधिकांश आबादी मध्यम वर्गीय परिवार से संबंधित है। जो निर्धन वर्ग के लोगो को इस महामारी जीवन संकट उत्पन्न कर दिया। विभिन्न आर्थिक, सामाजिक, पारिवारिक, मानसिक, समस्या इस कोविड- 19 महामारी से अस्तित्व में आती।

शोध का अध्यन क्षेत्र :– प्रस्ताविक शोध का अध्ययन क्षेत्र राजनांदगांव जिले के नगरीय निकाय है। राजनांदगांव छत्तीसगढ़ राज्य का एक जिला है जिसकी स्थापना 26 जनवरी 1973 में दुर्ग जिले से पृथक होकर हुई। इसके पूर्व यहां गोंड व महंत राजाओं का राज था। इस रियासत काल मे राजनांदगांव एक राज्य के रूप मे विकसित था। पूर्व में यह नदग्राम के नाम से जाना जाता था। 1 जुलाई 1998 को इस जिले के कुछ हिस्से को अलग कर एक नया जिला कबीरधाम की स्थापना हुई।

सीमा एवं विस्तार :– जिला राजनांदगांव छत्तीसगढ राज्य के मध्य भाग मे स्थित है। जिला मुख्यालय राजनांदगांव दक्षिण पूर्व रेलवे मार्ग मे स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 06 राजनांदगांव नगर से होकर

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

International Journal of Social Science & Management Studies - I.J.S.S.M.S.
Peer Reviewed-Refereed Research Journal, Indexing & Impact Factor - 5.2, Ex - UGC S.N. 5351
ISSN : 2454 - 4655, Vol. - 7, No. - 5, June - 2021, Conference Special Issues
2021

गुजरता है। भौगोलिक दृष्टि से राजनांदगांव जिले का विस्तार उत्तर से दक्षिण की अधिक है एवं पूर्व से पश्चिम में विस्तार कम है। इसकी उत्तर से दक्षिण की लंबाई 207 कि.मी. तथा पूर्व से पश्चिम की चौडाई 80 कि.मी. है। जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 8022.55 वर्ग कि.मी. है। राजनांदगांव जिला छत्तीसगढ मैदान के दक्षिण पश्चिमी भाग में 2106 से 22029 उत्तरी अक्षांश एवं 81023 से 81039 पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। जिले का दक्षिण पश्चिमी भाग बांदी डोंगरी के नाम से जाना जाता है। जिले का उत्तरी– पूर्वी भाग निचला है। अतः इस भाग में नदियों का जल प्रवाह अधिक है। जिले की प्रमुख नदिया का बहाव दक्षिण पश्चिमी से पूर्व की ओर है। तथा समुद्र तट से इसकी ऊंचाई 330.70 मीटर है। जिले के प्रमुख रेलवे स्टेशन राजनांदगांव (नगर) एवं डोंगरगढ़ जलवायु – औसत वार्षिक वर्षा (2016–17 के अनुसार)751.3 मि.मी. एवं तापमान (उच्चतम / न्यूनतम) 450 से.ग्रे. है।

छत्तीसगढ राज्य के नगरीय निकाय		राजनांदगांव जिले के अन्तर्गत
नगर निगम	13	01 (राजनांदगांव)
नगर पालिका परिषद्	14	02 (खैरागढ, डोंगरगढ)
नगर पंचायत	111	05 (गंडई, छुईखदान, डोंगरगढ, छुरिया, अम्बागढ चौकी)
कुल नगरीय निकाय	168	08

जनसंख्या– राजनांदगांव जिला की जनसंख्या संबंधित जानकारी इस प्रकार प्रदर्शित किया जा सकता है–

तालिका क्रमांक – 01

क्र.	जनसंख्या का प्रकार	व्यक्ति	पुरूष	महिला	लिंगानुपात
1	नगरीय जनसंख्या	272512	13643	135869	994
2	ग्रामीण जनसंख्या	1264621	626212	638409	1019
3	कुल जनसंख्या	1537133	762855	724278	1015

स्त्रोत जनगणना 2011 टीप स्त्री पुरूष अनुपात के लिए अन्य को शामिल किया गया है।

राजनांदगांव जिले के नगरीय निकायवार जनसंख्या इस प्रकार है जिसे निम्नांकित तालिका द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है–

क्र.	नगरीय निकाय का नाम	नगरीय निकाय का प्रकार	जनसंख्या (2011)	प्रक्षेपित जनसंख्या (मध्यावधि)			
				2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
1.	राजनांदगांव	नगर पालिका निगम	163114	165780	166231	167246	168279
2.	डोंगरगढ	नगर पालिका परिषद्	373772	37845	38082	38319	38555
3.	खैरागढ	नगर पालिका परिषद्	22564	22822	22992	23136	23279
4.	गण्डई	नगर पंचायत	13278	13446	13530	13614	13698
5.	छुईखदान	नगर पंचायत	7093	7183	7228	7273	7318
6.	छुरिया	नगर पंचायत	4509	4566	4595	4623	4652
7.	डोंगरगांव	नगर पंचायत	14643	14879	14973	15665	15158
8.	अम्बागढ चौकी	नगर पंचायत	9889	10014	10072	10140	10202

स्त्रोत पालिका निगम / समस्त नगर पालिका / समस्त नगर पंचायत राजनांदगांव

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh
Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College Durg (C.G.)

International Journal of Social Science & Management Studies - I.J.S.S.M.S.
Peer Reviewed-Refereed Research Journal, Indexing & Impact Factor - 5.2, Ex - UGC S.N. 5351
ISSN : 2454 - 4655, Vol. - 7, No. - 5, June - 2021, Conference Special Issues

शोध अध्ययन का उद्देश्य :– प्रस्तुत शोध अध्ययन मे निम्न उद्देश्यों पर आधारित है–

1. गन्दी बस्तियों मे कोविड 19 से प्रभावित जनजीवन की समस्याओ को ज्ञात करना
2. अध्ययन क्षेत्र में कोविड–19 के आकडो का विश्लेषण करना।
3. कोविड–19 से उत्पन्न समस्याओ के कारणों को ज्ञात करना।
4. कोविड–19 हेतु शासन द्वारा किय गए प्रयासो का अध्ययन करना।
5. उत्पन्न समस्याओ के समाधान हेतु उपाय खोजना।

शोध पद्धति :– प्रस्तुत शोध की अध्ययन पद्धति को दो भाग मे विभक्त किया गया है:–

1) प्राथमिक स्त्रोत 2) द्वितीयक स्त्रोत्

प्राथमिक स्त्रोत् :– के अंतर्गत आकडों के एकत्रीकरण हेतु गणना विधि का प्रयोग कर अध्ययन क्षेत्र की सभी ईकाईयों का अध्ययन किया गया। अवलोकन अध्ययन क्षेत्र का निरंतर अवलोकन सहभागी रूप से स्थिति को स्पष्ट समझने के लिए। तद्उपरान्त तथ्यो का विश्लेषण किया गया।

द्वितीयक स्त्रोत् :– विषय से संबंधित प्रकाशित पत्र–पत्रिकायत्र, पुस्तकें–लेखन, क्षेत्रीय समाचार, शोध ग्रंथ, इन्टरनेट से प्राप्त सामाग्री इत्यादि का संकलन व अवलोकन करना सम्मिलित है।

गन्दी बस्तियों के लोगो पर कोविड–19 का प्रभाव :– गन्दी बस्तियों की संरचना ही, ऐसी होती है कि इनमें दूरी निर्धारित कर पाना मुश्किल है। तंग गलिया मकानो का एक – दुसरे से सटे होना एक ही मकान जो एक ही कमरे से बना है उसमे लोगों का उसी में एक साथ रहना, नालियों का अभाव (जल निकासी व्यवस्था का भाव)। उचित पेय जल व्यवस्था का अभाव, भीड़ भाड़ पूर्ण वातावरण – हमेशा से बीमारीयों के लिए एक केंद्र रहा है सामान्यतः हैजा, डायरिया, टाईफाईड बस्तियां, अहाता, चॉल, इत्यादि कई नामो से। छत्तीसगढ़ राज्य गठन 2000 के बाद से निरंतर शहरीकरण में वृद्धि हुई इस शहरीकरण के कई सकारात्मक परिणाम आये वही नकारात्मक परिणाम भी आये है। वर्तमान में जो वैश्विक महामारी उत्पन्न हुई व इन बस्तियो के लिए गंभीर व घातक है। चूँकि यहाँ सदैव अस्वास्थ्यकर वातावरण रहता है कोविड–19 जैसी महामारी व घातक बीमारी मे इस क्षेत्रों मे अधिक चिंतनीय स्थिति निर्मित कर दी है।

कोविड 19 के प्रभाव को हम निम्न बिन्दुओ द्वारा स्पष्ट कर सकते है

1. **भुखमरी की समस्या** – कोविड 19 महामारी से बचने के लिए शासन प्रशासन द्वारा जो व्यवस्था अपनाई गयी जिसमे पूर्ण प्रतिबन्ध (लॉकडाउन) व सामाजिक दुरी (social distancing) ऐसी व्यवस्था का महामारी नियत्रण के दृष्टिकोण से निःसंदेह कारगर व्यवस्था रही हो किन्तु इस व्यवस्था ने निर्धन परिवारों से उनकी आजीविका का साधन छीन लिया। वे लोग परिवार का भरण–पोषण करने की स्थिति में नहीं रही निरंतर यह दो वर्षो (कोविड 19) महामारी संक्रमण काल में ही है ऐसी स्थिति में एक गरीब परिवार कितना भण्डारण रख सकता है यह तो उन वर्गो में आते है जो दैनिक मजदूरी करके जीवन यापन करते है ऐसी स्थिति में गरीब परिवारों में भुखमरी भी दयनीय अवस्था व्याप्त हो गयी है।
2. **रोजगार की समस्या** – यद्यपि रोजगार की समस्या कोई नयी समस्या नहीं है भारत जैसी विकाशील देश में यह जनसँख्या निरंतर बनी हुई है। कोविड 19 के संक्रमण से यह नए रूप मे आई है| छोटे काम करने वाले लोग दैनिक दृ मजदूरी पर जीवन यापन करने वाले लोग इस पूर्ण प्रतिबंधित की व्यवस्था से बेरोजगारी की समस्या से ग्रस्त है। जिससे एक परिवार के भरण पोषण के लिए चुनौती है।
3. **गरीबी की समस्या** – कोविड–19 के प्रभाव स्वरुप विभिन्न मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक स्थिति चरमरा गयी व गरीबी की स्थिति और गरीबी के दलदल मे समां गयी है।
4. **मानसिक समस्या** – कोविड 19 का प्रभाव न केवल आर्थिक व सामाजिक क्षेत्र तक सिमित रहा। बल्कि इसका प्रभाव व्यापक रूप से मनुष्य के मन मस्तिष्क पर नकारात्मक रूप से रहा। पूर्ण प्रतिबंध (लॉकडाउन) व आस दूपास देश विदेश, परिवार रिश्तेदार मे केवल मृत्यु मृत्यु जैसी खबरे सुनके, पढके देखके मनुष्य के मन में अवसाद ने जन्म ले लिया, सामाजिक दुरी व पूर्ण प्रतिबन्ध व्यवस्था तब लोग अपने घरो में कैद होने लगे तो निश्चित रूप से मानसिक अधात लोगों को महसूस होने लगा। कई आत्महत्या की समस्या व मानसिक बीमारी से ग्रसित लोगो की सख्या मे

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh
Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College Durg (C.G.)

वृद्धि इस बात का प्रमाण है।

5. **सामाजिक व पारिवारिक समस्या** कोविड-19 महामारी ने सामाजिक व पारिवारिक क्षेत्र मे भी अपना प्रभाव जमा लिया। घरो में कैद लोगो की मानसिक अवस्था में कलह-क्लेश झगडे व विवाद बढने लगे। व सामाजिक दूरी के परिणाम स्वरुप लोगो को जो इच्छा शरित हेतु सबल व सहयोग मिलता था वह की इस व्यवस्था (सामाजिक दुरी) ने छीन लिया। नए पारिवारिक विवाह व कार्यक्रम सामने आई है।

6. **आर्थिक समस्या** – कोविड-19 के प्रभाव स्वरुप आर्थिक समस्या भी उत्पन्न हुई लोगो के पास इलाज करने के लिए पैसे नहीं होते प्रायः मध्यम वर्गीय परिवारों में यह समस्या अधिक रूप में दिखाई देती है। वही गरीब व निम्नवर्ग में परिवइसके अतिरिक्त कोविड-19 का गन्दी बस्तियों पर प्रभाव उपरोक्त बिन्दुओ के सामान है किन्तु अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत ऐसे क्षेत्र है, जो अलग-अलग डेरे के रूप मे अलग-अलग जीवन व्यतीत कर रहे है, निम्न जीवन स्तर गरीबी जैसी मैले-कुचौले जीवनचर्या रहती है ये अलग ही रूप में जीवन जीते है कोविड-19 ने इनकी दिनचर्या को भी प्रभावित किया है उनमे से कुछ गरीबी से जीवन यापन करते है, तो कुछ कबाड का सामान इकट्ठे करके इनके जीवन में कोविड-19 ने विकराल संकट में लाकर खडा कर दिया है।

शासन द्वारा किये गए विभिन्न प्रयास :- कोविड-19 महामारी के नियत्रण व रोकथाम हेतु वैश्विक स्तर से लेकर स्थानीय स्तर तक सभी शासन व्यवस्थाओ ने भरपूर प्रयास किये है - सरकारी, गैर सरकारी, सहकारी, व्यक्तिगत (निजी) सभी प्रकार की संस्थाओं ने इस महामारी को रोकने हेतु विभिन्न प्रयास किये छ.ग. शासन द्वारा किये गए विभिन्न प्रयास को हम निम्न बिन्दुओ के आधार पर स्पष्ट कर सकते है-

- कोविड-19 रोकथाम हेतु देश राज्य मे सम्पूर्ण लॉकडाउन की व्यवस्था की गयी सामाजिक दूरी (social distancting) भी इसका एक अहम भाग रहा जिसमे लोग एक दुसरे के संपर्क में न आये। यह शासन व राज्य शासन द्वारा लागू किया गया।
- लोगो में जागरूकता हेतु समस्त प्रयास किये गए ताकि जागरूक होकर व इसमे बच सके।
- राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के सरकारी पोर्टल का निर्माण हुआ ताकि लोगो की सहायता शीघ्र किया जा सके जिसमे कोरोना गाइडलाइन, COVID-19 Dashboard- M-WFM, My gov.COVID-19
- राज्य सरकार द्वारा जिलो के प्रमुख जिलाधीशो को कोरोना नियंत्रण हेतु स्वतंत्र अधिकार दे दिया गया जिसमे जिलो मे उचित व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। समय-समय पर आवश्यकतानुसार जिलो की सीमाए शील की व निर्णय ले कर सुव्यवस्था रखने का प्रयास किया गया।
- कोविड-19 से संक्रमित मरीजो के जांच के लिए अधिक से अधिक केंद्र बनाए गए।
- कोविड केयर सेंटर का निर्माण किया गया।
- कोविड हेल्पलाइन नबर जारी किये गए ताकि लोगो की हर सम्भव सहायता की जा सके
- The helpline number for corona virus : 0771&2235091 or 104
- कोविड-19 से बेसाहरा हुए बच्चो के उज्जवल भविष्य हेतु योजनाओं का निर्माण किया गया।

राजनांदगांव जिल में कोविड 19 सम्बन्धी आंकडो का विश्लेषण :- कोरोना वायरस ने अलग-अलग समय में अपने प्रभाव को बढाया है जिसे प्रथम लहर व द्वितीय लहर के रूप मे हम जान रहे है इसी लहरों के आधार पर हम इसे समझने का प्रयास करेंगे।

	कुल संक्रमित	मौते
प्रथम लहर	26841	213
द्वितीय लहर	22692	

द्वितीय लहर मे यह स्थिति खतरनाक हुई मई में द्वितीय लहर में यह स्थिति खतरनाक हुई है मई में संक्रमण के आंकडे 50 हजार के पार हो गए वही प्रथम लहर में रिकवरी दर 91.30 प्रतिशत रही। तो द्वितीय लहर में रिकवरी दर 73.41 प्रतिशत रही। राजनांदगाव जिले म अबतक 4.50 लाख सैंपल की जांच की जा चुकी है।

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College Durg (C.G.)

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh

International Journal of Social Science & Management Studies - I.J.S.S.M.S.
Peer Reviewed-Refereed Research Journal, Indexing & Impact Factor - 5.2, Ex - UGC S.N. 5351
ISSN : 2454 - 4655, Vol. - 7, No. - 5, June - 2021, Conference Special Issues
2021

ब्लॉकवार टीकाकरण आंकड़े –

क्र	ब्लॉक	कुल संक्रमित
1	अम्बागढ़ चौकी	1848
2	छुईखदान	4735
3	छुरिया	2841
4	डोंगरगाँव	4065
5	डोंगरगढ़	7314
6	खैरागढ़	6672
7	मोहला	1803

ब्लॉकवार कोरोना संक्रमितो के आंकड़े –

क्र	ब्लॉक	कुल संक्रमित
1	अम्बागढ़ चौकी	1848
2	छुईखदान	4735
3	छुरिया	2841
4	डोंगरगाँव	4065
5	डोंगरगढ़	7314
6	खैरागढ़	6672
7	मोहला	1803
8	मानपुर	1605
9	राजनांदगांव (धुमका)	6193
10	राजनांदगांव (शहरी)	19595
11	अन्य	296
	कुल	56967

निष्कर्ष :- यद्यपि कोविड–19 के विपरीत परिस्थिति में शासन द्वारा विभिन्न प्रयास किये गए किन्तु जनजीवन इस महामारी से इस सीमा तक प्रभावित हुआ की कोई भी व्यवस्था न तंत्र उसे सुलझा पाने मे असमर्थ रही.

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh
Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College Durg (C.G.)

International Journal of Social Science & Management Studies - I.J.S.S.M.S.
Peer Reviewed-Refereed Research Journal, Indexing & Impact Factor - 5.2, Ex - UGC S.N. 5351
ISSN : 2454 - 4655, Vol. - 7, No. - 5, June - 2021, Conference Special Issues
2021

भूखमरी, गरीबी, बेरोजगारी, मानसिक बीमारियाँ इत्यादि समस्याए एक अलग रूप में कोविड-19 उत्पन्न हुई। सरकारी आकडो में अतर स्थिति को स्पष्ट कर पाने मे असमर्थ है जन जीवन कष्टमय हुआ है। इसे सही होने में और भी समय लगेगा कोरोना जैसे वायरस ने न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक आघात भी पहुचाया है। इस समय लोगो को नए काम नए वातावरण व शासन द्वारा विशेष सहयोग की आवश्यता है। गन्दी बस्तियों की स्थिति तो पहले से ही दयनीय व कष्टकारक होती है वहां इस वायरस (बीमारी) ने शारीरिक तो नहीं किन्तु मानसिक नुकसान अवश्य किया है।

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. www.mygov.in
2. Corona virus guideline (www.gad.cg.gov.in)
3. छत्तीसगढ शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग।
4. www.covid19india.org
5. पत्रिका राजनांदगांव संस्करण अंक 2 मई 2021।
6. दैनिक भास्कर अंक 14-06-2021।
7. नईदुनिया, राजनांदगांव संस्करण, अंक-20 अप्रैल 2021।
8. नगरीय प्रशासन विभाग छत्तीसगढ।
9. Department of Helth & Family Welfare & Medical Education Chhattisgarh.
10. दैनिक भास्कर (राजनांदगांव संस्करण), अंक-8/06/2021, पृष्ठ क्रमांक-1।
11. नगरीय प्रशासन विकास विभाग छत्तीसगढ।
12. जनसम्पर्क विभाग छत्तीसगढ।
13. www.naidunia.com/chhattisgarh/rajnandgaon-sanitized.

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm.
College Durg (C.G.)